Toppersnotes®
Unleash the topper in you

मध्य प्रदेश

पटवारी

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (MPESB)

भाग - 1

सामान्य ज्ञान एवं विज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	भारत का भूगोल	1
2	इतिहास	30
3	अर्थशास्त्र	67
4	राजव्यवस्था	95
5	भारत के संरक्षित क्षेत्र	132
6	भारतीय कला और संस्कृति	138
7	जीव विज्ञान	152
8	भौतिक शास्त्र	187
9	रसायन शास्त्र	201
10	पर्यावरणीय मुद्दे	217

1
CHAPTER

भारत का भूगोल

भारत: एक दृष्टिकोण में

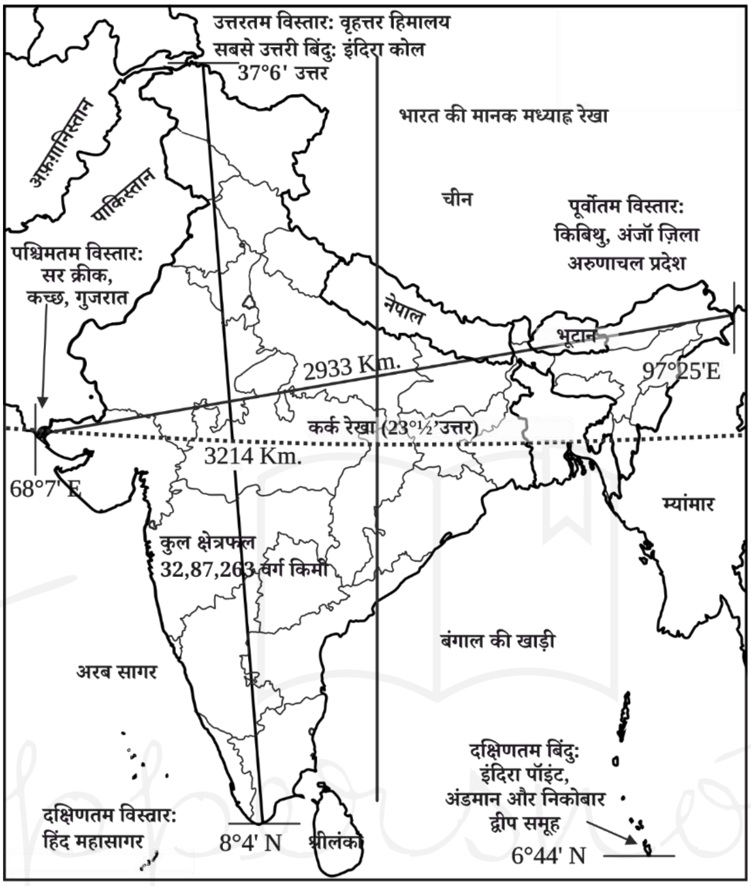

पहलू	विवरण
अक्षांशीय विस्तार	8°4′ उत्तर से 37°6′ उत्तरी अक्षांश
देशांतर विस्तार	68°7′ पूर्व से 97°25′ पूर्वी देशांतर
उत्तरतम बिंदु	इंदिरा कोल, लद्दाख
दक्षिणतम बिंदु	इंदिरा प्वाइंट, ग्रेट निकोबार द्वीप
सबसे पूर्वी बिंदु	किबिथू/वालंग, अरुणाचल प्रदेश
सबसे पश्चिमी बिंदु	गुहार मोती या गौरमोता, गुजरात
क्षेत्रफल	3,287,263 वर्ग किमी
क्षेत्रफल के अनुसार विश्व में भारत का स्थान	7वां सबसे बड़ा देश (रूस, कनाडा, चीन, USA, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया के बाद)
विश्व के कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत	2.4%
अक्षांशीय दूरी (उत्तर–दक्षिण)	3,214 किमी
देशांतरीय दूरी (पूर्व–पश्चिम)	2,933 किमी
जनसंख्या रैंकिंग	दुनिया में सबसे बड़ी जनसंख्या

भारत का तटरेखा:

- 29 अप्रैल 2025 को भारत सरकार ने देश की तटरेखा की पुन: गणना की। द्वीपों सहित कुल तटरेखा लंबाई 11,098 किमी है। यह तटरेखा 9 राज्यों और 66 जिलों को छूती है।
- **पश्चिमी तट के राज्य:** गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल
- **पूर्वी तट के राज्य:** तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल
- **राज्यवार प्रमुख तथ्य:**
  - ✓ **सबसे लंबी तटरेखा:** गुजरात (2,340 किमी)
  - ✓ **सबसे छोटी तटरेखा:** गोवा (193 किमी)
  - ✓ **पूर्वी तट पर सबसे लंबी तटरेखा:** तमिलनाडु (1,068 किमी)
- **सागरीय क्षेत्र (अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन के अनुसार):**
  - ✓ **प्रादेशिक समुद्र**
  - ✓ **संलग्न क्षेत्र**
  - ✓ **अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ)**
- **भारत में कर्क रेखा:**
  - ✓ कर्क रेखा 23° उत्तरी अक्षांश पर स्थित है जो भूमध्य रेखा के उत्तर में है।
  - ✓ यह 8 भारतीय राज्यों से गुजरती है: गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम।
  - ✓ माही नदी कर्क रेखा को दो बार पार करती है।
- **मानक समय:**
  - ✓ भारत का मानक समय 82.5° पूर्व देशांतर पर आधारित है जो उत्तर प्रदेश के नैनी (मिर्जापुर) से होकर गुजरने वाली केंद्रीय रेखा है।
  - ✓ भारत का मानक समय ग्रीनविच मीन टाइम (GMT) से 5 घंटे 30 मिनट आगे है अर्थात जब इंग्लैंड में दोपहर 12:00 बजे होते है तो भारत में शाम के 5:30 बजे होते हैं।
  - ✓ मानक देशांतर पाँच राज्यों से गुजरता है: उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश।

भारत के पड़ोसी देश

देश	राजधानी	भारत के साथ सीमा की लंबाई	भारत के सीमावर्ती राज्य / टिप्पणियाँ
अफ़ग़ानिस्तान	काबुल	106 किमी	लद्दाख (वाखान कॉरिडोर / पीओके क्षेत्र के माध्यम से)
बांग्लादेश	ढाका	4096.7 किमी	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
भूटान	थिम्फू	699 किमी	पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश
चीन	बीजिंग	3488 किमी	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
म्यांमार	नेप्यीडॉ	1643 किमी	अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम
नेपाल	काठमांडू	1751 किमी	बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
पाकिस्तान	इस्लामाबाद	3323 किमी	जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, राजस्थान, गुजरात
श्रीलंका	कोलंबो (वाणिज्यिक), श्री जयवर्धनेपुर कोटे (संवैधानिक)	समुद्र सीमा	मन्नार की खाड़ी द्वारा भारत से अलग
मालदीव	माले	समुद्र सीमा	भारत के दक्षिण-पश्चिम में स्थित, लक्षद्वीप द्वीप समूह के नीचे, भारतीय महासागर में

भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ:

- **रैडक्लिफ़ रेखा** – भारत और पाकिस्तान के बीच
- **24वीं समानांतर रेखा** – भारत और पाकिस्तान के बीच (भारत द्वारा अस्वीकार)
- **मैकमाहन रेखा** – भारत और चीन के बीच
- **LAC (वास्तविक नियंत्रण रेखा)** – भारत और चीन के बीच
- **ड्यूरंड रेखा** – अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच
- **जॉनसन रेखा (1865) और मैकडॉनल्ड रेखा (1893)** – भारत और चीन (लद्दाख के बीच); वर्तमान में चीन द्वारा अवैध मानी जाती है

भारत से जुड़े अंतरराष्ट्रीय विवादित क्षेत्र:

- **गलवान घाटी** – भारत और चीन
- **सियाचिन विवाद** – भारत और पाकिस्तान
- **कच्चातिवु द्वीप** – भारत और श्रीलंका
- **काला पानी विवाद** – भारत और नेपाल
- **सुस्ता क्षेत्र विवाद** – भारत और नेपाल

प्रशासनिक स्थिति:

- **प्रशासनिक संरचना:** वर्तमान में भारत में 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश है।
- **जिले:** 2011 में भारत में कुल 640 जिले थे जो अक्टूबर 2025 तक बढ़कर 780 जिले हो गए।
- **ग्राम:** 2011 में भारत में लगभग 6,40,000 गाँव थे।

राजनीतिक संरचना:

- **लोकसभा सीटें:** अधिकतम 550; वर्तमान में 543।
- **राज्यसभा सीटें:** अधिकतम 250; वर्तमान में 245।
- **विधान परिषदें:** छह राज्यों में मौजूद हैं: उत्तर प्रदेश (100 सदस्य), महाराष्ट्र (78), बिहार (75), कर्नाटक (75), आंध्र प्रदेश (58) और तेलंगाना (40)

भारत का भौतिक परिदृश्य

भारत की प्रमुख हिमालयी श्रेणियाँ

पहाड़ी श्रेणी	स्थान / विस्तार	मुख्य विशेषताएँ	सबसे ऊँची चोटी
काराकोरम श्रेणी	लद्दाख (भारत), चीन, पाकिस्तान	दुनिया की सबसे कठिन पहाड़ी प्रणालियों में से एक; यह ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर सबसे बड़े ग्लेशियर संकेंद्रण को समेटे हुए है (जैसे सियाचिन ग्लेशियर)।	K2 (गोडविन ऑस्टिन); 8,611 मीटर
लद्दाख श्रेणी	लद्दाख (केंद्र शासित प्रदेश)	सिंधु नदी और काराकोरम श्रेणी के बीच स्थित; शीत मरुस्थलीय जलवायु; ज़ांस्कर श्रेणी के समानांतर।	लुनपो गैंगरी; लगभग 7,095 मीटर
ज़ांस्कर श्रेणी	लद्दाख और हिमाचल प्रदेश	ग्रेट हिमालय का पूर्वी विस्तार; एक जलवायु अवरोध के रूप में कार्य करता है; ज़ांस्कर नदी इससे होकर गुजरती है जिससे गहरी घाटियाँ बनती है।	कामेत पीक; लगभग 7,756 मीटर
शिवालिक श्रेणी	बाह्य हिमालय (पंजाब से असम के तलहटी)	सबसे युवा, सबसे छोटी और बाह्य हिमालयी श्रेणी; असंगठित तलछट से बनी है; कटाव और भूस्खलन के प्रति संवेदनशील।	चूड़धार पीक – 3,647 मीटर
पीरपंजाल श्रेणी	जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश	लघु हिमालय की सबसे बड़ी श्रेणी; कश्मीर घाटी को हिमाचल प्रदेश से अलग करती है; बनिहाल जैसे प्रसिद्ध दर्रों के लिए प्रसिद्ध।	इंद्रासन – 6,221 मीटर
धौलाधर श्रेणी	हिमाचल प्रदेश	लघु हिमालय की दक्षिणी शाखा; कांगड़ा घाटी से तीव्र रूप से उठती है; खड़ी ढलानों और बर्फीली चोटियों के लिए प्रसिद्ध।	हनुमान टिब्बा – 5,860 मीटर

भारत की महत्वपूर्ण घाटियाँ

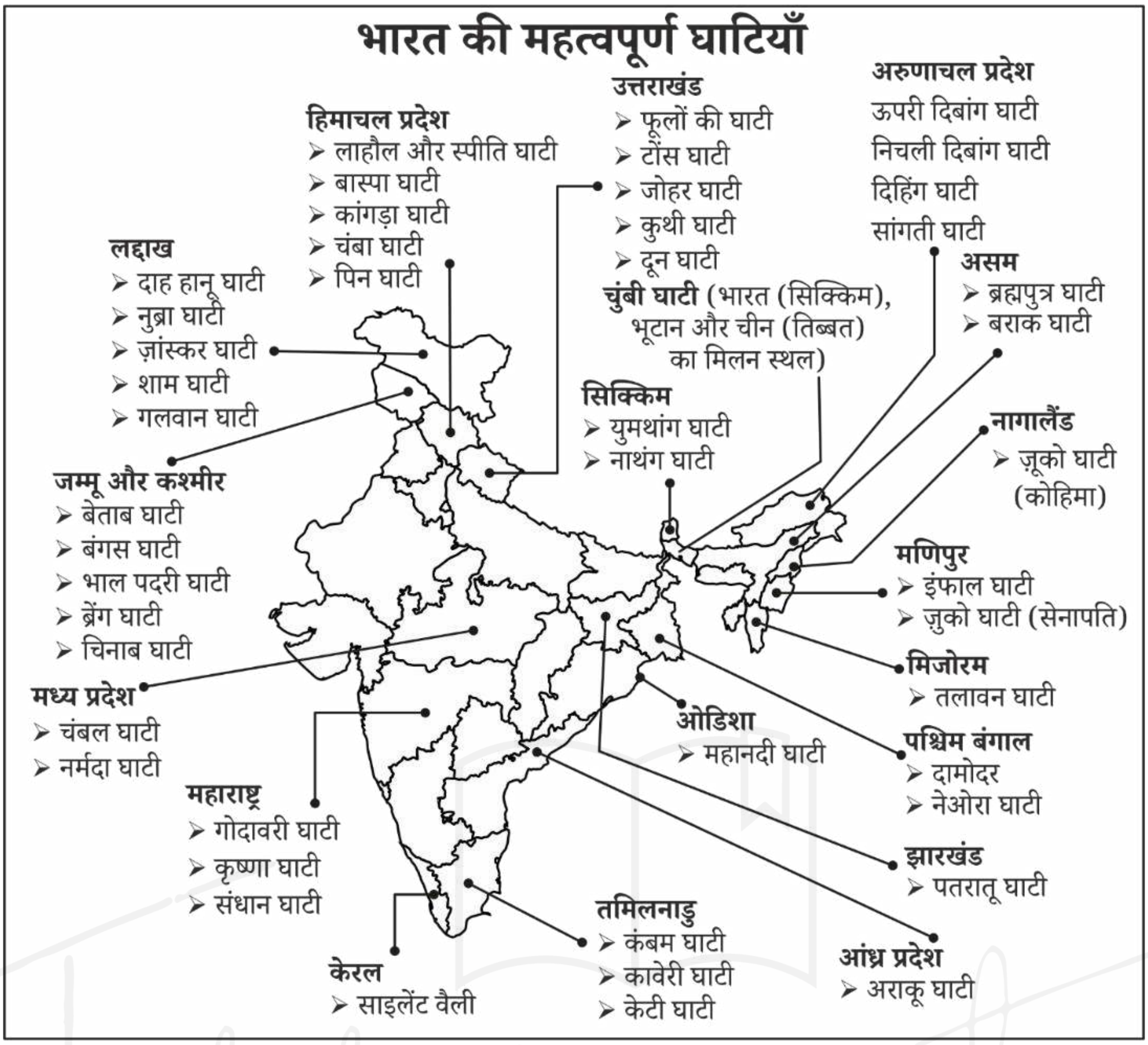

स्मरणीय तथ्य:

- पश्चिमी घाट की सबसे ऊँची चोटी – अनामुड़ी (2695 मीटर), केरल
- पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी – जिन्दगढ़ (1690 मीटर), आंध्र प्रदेश
- अंडमान और निकोबार की सबसे ऊँची चोटी – सैडल पीक (732 मीटर), उत्तर अंडमान
- बिहार की सबसे ऊँची चोटी – सोमेश्वर (874 मीटर)
- छत्तीसगढ़ की सबसे ऊँची चोटी – गौरलाटा (समरिपाट, 1225 मीटर)
- झारखंड की सबसे ऊँची चोटी – पारसनाथ (गिरिडीह जिला)

प्रमुख हिमालय ग्लेशियर

ग्लेशियर का नाम	स्थान	महत्वपूर्ण विशेषताएँ
सियाचिन	काराकोरम श्रेणियाँ	हिमालय की नुब्रा घाटी में स्थित; ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर दूसरा सबसे लंबा ग्लेशियर; ट्रांस-हिमालय में सबसे बड़ा ग्लेशियर।
बियाफो	काराकोरम	शिगर नदी में बहता है।
गंगोत्री	उत्तराखंड	व्युत्पत्ति - चौखंबा शिखर के नीचे; इसे 'गोमुख' के नाम से भी जाना जाता है।
हिस्पर	गिलगिट-बाल्टिस्तान	दुनिया की सबसे लंबी ग्लेशियर प्रणाली।
जेमू	सिक्किम/नेपाल	पूर्वी हिमालय का सबसे बड़ा ग्लेशियर; तिस्ता नदी का स्त्रोत

सोनापानी	लाहौल और स्पीति, हिमाचल प्रदेश	पीर पंजाल श्रेणी में सबसे लंबा ग्लेशियर; एक ग्लेशियर धारा चंद्रा नदी की सहायक नदी है जो बाद में भागा नदी से मिलकर चिनाब नदी का निर्माण करती है।
मिलाम	उत्तराखंड	गोरी गंगा (सरयू) नदी का प्रमुख स्रोत; कुमाऊं हिमालय का सबसे बड़ा ग्लेशियर।
चोंग कुमदान	काराकोरम, लद्दाख	श्योक नदी को जल प्रदान करता है, संभावित रूप से अवरुद्ध होने के कारण।
दीमिर	पीओके	'पर्वतों का राजा' के रूप में जाना जाता है।
रूपल	कश्मीर	ग्रेटर हिमालय में स्थित; उत्तर-पूर्व की ओर बहता है।
भिल्लांस, थाजिवास और पुरुई	जम्मू और कश्मीर	ये सभी ग्लेशियर जम्मू कश्मीर में स्थित है।

प्रमुख हिमालय दर्रे

दर्रा का नाम	राज्य / केंद्र शासित प्रदेश	स्थान / सीमा	महत्व
जोजीला	जम्मू और कश्मीर, लद्दाख	ग्रेटर हिमालय	श्रीनगर–कारगिल और लेह को जोड़ता है; भारत और चीन के बीच स्थित है।
बनिहाल दर्रा	जम्मू और कश्मीर	पीरपंजाल श्रेणी	जवाहर सुरंग इसके नीचे से गुजरती है; श्रीनगर–जम्मू मार्ग; कश्मीर को भारत से जोड़ता है।
खारदुंग ला	लद्दाख	लद्दाख श्रेणी	सियाचिन के लिए मार्ग; उच्चतम मोटरयोग्य सड़कों में से एक।
चांग ला	लद्दाख	लद्दाख श्रेणी	लेह को पैंगोंग झील से जोड़ता है।
फोटो ला	लद्दाख	ज़ांस्कर श्रेणी	श्रीनगर–लेह राजमार्ग पर सबसे ऊँचा बिंदु।
नमीका ला	लद्दाख	ज़ांस्कर श्रेणी	कारगिल–लेह मार्ग पर स्थित।
बारालाचा ला	हिमाचल प्रदेश	ज़ांस्कर श्रेणी	लेह–मनाली राजमार्ग पर स्थित।
शिपकी ला	हिमाचल प्रदेश	भारत–तिब्बत सीमा (किन्नौर)	ऐतिहासिक रेशम मार्ग व्यापार के लिए।
माना	उत्तराखंड	चमोली जिला	कैलाश–मानसरोवर के लिए मार्ग; भारत–चीन मार्ग।
निति	उत्तराखंड	चमोली जिला	तिब्बत के लिए पुराना व्यापार मार्ग।
लिपुलेख	उत्तराखंड	पिथौरागढ़ जिला	कैलाश–मानसरोवर यात्रा मार्ग; भारत–नेपाल–तिब्बत त्रिकोण बिंदु।
मोलिंग ला	उत्तराखंड	गंगोत्री के उत्तर में तिब्बत से जोड़ता है।	
नाथू ला	सिक्किम	भारत–चीन सीमा	चीन के साथ सीमा व्यापार पोस्ट; दुनिया की उच्चतम मोटरयोग्य सड़कों में से एक; सिक्किम को तिब्बत से जोड़ता है।
जेलेप ला	सिक्किम	कालीम्पोंग के पास	ऐतिहासिक समय में ल्हासा के लिए व्यापार मार्ग।

Toppers Notes Unleash the topper in you

सेला	अरुणाचल प्रदेश	तवांग जिला	तवांग को राज्य के बाकी हिस्सों से जोड़ता है; सेला सुरंग दुनिया की सबसे लंबी द्विलेन सुरंग है; 13,000 फीट की ऊँचाई पर।
बुम ला	अरुणाचल प्रदेश	तवांग के पास	भारत–चीन संवेदनशील सैन्य दर्रा।
दिफू	अरुणाचल प्रदेश	पूर्व कामेंग	पूर्वी हिमालय, दूरदराज और रणनीतिक महत्व।
खुन्जेराब	पीओके	गिलगिट–बाल्टिस्तान (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर)	चीन–पाकिस्तान सीमा पर स्थित; CPEC मार्ग पर।
लानक ला	लद्दाख (विवादित सीमा)	अक्साई चिन क्षेत्र (भारत–चीन)	विवादित भारत–चीन सीमा पारगमन।
लेखापानी	अरुणाचल प्रदेश	असम–अरुणाचल के पास	ऐतिहासिक द्वितीय विश्व युद्ध मार्ग के माध्यम से स्टिलवेल रोड; पूर्वी क्षेत्र के लिए रणनीतिक महत्व।
रोहतांग	हिमाचल प्रदेश	पीरपंजाल श्रेणी	कुल्लू घाटी को लाहौल और स्पीत
देबसा	हिमाचल प्रदेश	-	कुल्लू और स्पीति जिलों के बीच स्थित।
दिहांग दर्रा	अरुणाचल प्रदेश	-	अरुणाचल प्रदेश को म्यांमार से जोड़ता है; हिमालय यहाँ से दक्षिण की ओर तेज मोड़ लेते हैं और भारत की पूर्वी सीमा तक फैलते हैं।
खैबर दर्रा	पाकिस्तान–अफगानिस्तान	-	पेशावर (पाकिस्तान) को जलालाबाद (अफगानिस्तान) से जोड़ता है; प्राचीन रेशम मार्ग व्यापार नेटवर्क का हिस्सा।
मुलिंग ला और मंग्शा धुरा दर्रा	उत्तराखंड	ग्रेटर हिमालय	उत्तराखंड को तिब्बत से जोड़ता है।

मैदानों का भौगोलिक विभाजन

भौगोलिक प्रकार	**स्थान/विस्तार**	**विशेषताएँ / विशेष विशेषताएँ**
भाबर मैदान	पंजाब से असम तक; शिवालिक पहाड़ियों के दक्षिण में स्थित (पहाड़ी क्षेत्र)	इन मैदानों में छोटी नदियाँ भूमिगत हो जाती है।
तराई मैदान	भाबर मैदान के दक्षिण में; दलदली क्षेत्र	भूमिगत नदियाँ पुनः सतह पर प्रकट होती है।
बांगर मैदान	दो नदियों के बीच स्थित दोआब क्षेत्र	कंकड़, पत्थर, रेत और मिट्टी से बना; पुरानी अवसादी सामग्री से निर्मित। इसे कुछ क्षेत्रों में भूड़, रेह, धया या बेट भी कहा जाता है।
खादर मैदान	नई अवसादी मिट्टी द्वारा निर्मित	अत्यधिक उपजाऊ; बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में स्थित; हाल की अवसादी सामग्री द्वारा निर्मित।

दोआब क्षेत्र

दोआब का नाम	**नदियाँ जिनके बीच यह स्थित है**
सिंध सागर दोआब	सिंध और झेलम
जेख दोआब	झेलम और चिनाब

रचना दोआब	रावी और चिनाब
बारी दोआब	ब्यास और रावी
बिस्त दोआब	ब्यास और सतलुज

पठार

पठार	स्थान	विशेषताएँ
मध्य भारत का पठार	राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश	अधिकांश भाग चंबल नदी बेसिन में; अन्य नदियाँ - पार्वती, बनास, कुनो, सीप
मालवा का पठार	मध्य प्रदेश	अरावली और विंध्य श्रेणियों के बीच स्थित; सोयाबीन उत्पादन के लिए प्रसिद्ध; काली मिट्टी से समृद्ध; चीनी यात्री फाह्यान ने इसे दुनिया की सबसे अच्छी जलवायु बताया था।
बुंदेलखंड पठार	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश	पन्ना जिला भारत में सबसे अधिक हीरे उत्पादन करता है; प्रसिद्ध पर्यटन स्थल: खजुराहो, ओरछा, चंदेरी और देवगढ़।
बघेलखंड पठार	मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़	लाल-पीली मिट्टी प्रमुख है; मुख्य धान उत्पादक क्षेत्र; भारत में साल के वृक्षों का उच्चतम घनत्व।
छोटा नागपुर पठार	बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल	खनिजों से समृद्ध; "भारत के रुर" प्रदेश की संज्ञा; भारत में सबसे बड़ा खनिज उत्पादक क्षेत्र।
काठियावाड़ पठार	गुजरात	क्षेत्र में काली मिट्टी की प्रधानता; मूँगफली और कपास की खेती के लिए प्रसिद्ध।
दक्कन पठार	महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक	भारत का सबसे बड़ा पठार; कलसुबाई इसकी सबसे ऊँची चोटी है; ज्वालामुखीय गतिविधि और बेसाल्ट चट्टानों से निर्मित।
दंडकारण्य पठार	ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश	चावल की खेती के लिए प्रसिद्ध; नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में से एक; प्रमुख नदियाँ - महानदी, तेल, ओंग
रायलसीमा पठार	आंध्र प्रदेश, तेलंगाना	लाल-पीली मिट्टी प्रमुख; तम्बाकू और मक्के की खेती के लिए प्रसिद्ध।

महत्वपूर्ण तथ्य

- झारखंड में स्थित नेतरहाट को "छोटानागपुर पठार की रानी" के नाम से जाना जाता है।
- छोटानागपुर पठार की सबसे ऊँची चोटी पारसनाथ पहाड़ी है।
- भारत के नई दिल्ली में स्थित राष्ट्रपति भवन रायसीना पहाड़ी पर स्थित है।

भारतीय तट

पश्चिमी तट (पश्चिमी तटीय मैदान)

तटीय मैदान	स्थान / विस्तार	विशेषताएँ
काठियावाड़ तट	गुजरात से दमन तक	प्रमुख बंदरगाह: पंडित दीनदयाल (कांडला), दाहेज, मुंद्रा।
कोंकण तट	दमन से गोवा तक	प्रमुख बंदरगाह: मुंबई, न्हावा शेवा (जवाहरलाल नेहरू)।
कनारा या कर्नाटक तट	गोवा से न्यू मंगलौर तक	इसे कन्नड़ तट भी कहा जाता है; प्रमुख बंदरगाह: न्यू मंगलौर, मुर्मूगांव (वास्को द गामा)।
मालाबार तट	न्यू मंगलौर से कन्याकुमारी तक	प्रमुख बंदरगाह: कोच्चि (मसाला बंदरगाह); खनिज: रेत, थोरियम, मोनाज़ाइट।

पूर्वी तट (पूर्वी तटीय मैदान)

तटीय मैदान	स्थान / विस्तार	विशेषताएँ / नोट्स
उत्तरी सरकार तट	पश्चिम बंगाल से महानदी डेल्टा तक	प्रमुख बंदरगाह: हल्दिया, कोलकाता।
उत्कल तट	महानदी से कृष्णा डेल्टा तक	प्रमुख बंदरगाह: पारादीप (ओडिशा)।
गोलकोंडा तट	कृष्णा नदी से कावेरी नदी तक	प्रमुख बंदरगाह: विशाखापत्तनम (भारत का सबसे गहरा बंदरगाह)।
कोरोमंडल तट	कावेरी नदी से कन्याकुमारी तक	वापसी मानसून (नवंबर–दिसंबर) के कारण उच्चतम वर्षा। नवंबर–दिसंबर में चावल की खेती।

भारत के प्रमुख द्वीप समूह

- **अंडमान और निकोबार द्वीप (बंगाल की खाड़ी):**
  - ✓ ज्वालामुखी द्वीप, जो अपने सुंदर समुद्र तटों, प्रवाल भित्तियों और समृद्ध जैव विविधता (हैवलॉक, नील, रॉस) के लिए प्रसिद्ध है।
  - ✓ ग्रेट निकोबार द्वीप भारत का सबसे बड़ा द्वीप है।
  - ✓ निकोबार में 22 द्वीप हैं।
  - ✓ यह माना जाता है कि अंडमान और निकोबार द्वीप समुद्र के भीतर की पर्वत श्रृंखलाओं का ऊँचा हिस्सा है।
- **लक्षद्वीप द्वीप समूह (अरब सागर):**
  - ✓ प्रवाल एटोल्स जो लैगून, समुद्री जीवन और जल क्रीड़ा के लिए प्रसिद्ध हैं।

अरब सागर के प्रमुख द्वीप

द्वीप	स्थान	विशेषताएँ
अलियाबेट	खंभात की खाड़ी	नर्मदा और तापी नदियों के मुहाने के बीच स्थित; पेट्रोलियम उत्पादन के लिए प्रसिद्ध।
खड़ियाबेट	खंभात की खाड़ी	नर्मदा और तापी नदियों द्वारा निर्मित द्वीप।
पिराम बेट	खंभात की खाड़ी	भावनगर जिले में स्थित; नमक उत्पादन के लिए प्रसिद्ध।
बॉम्बे हाई	महाराष्ट्र (मुंबई के पास)	भारत का सबसे बड़ा पेट्रोलियम स्रोत, जो मुंबई के पास स्थित है।
बेसिन द्वीप	महाराष्ट्र	एक छोटा पेट्रोलियम स्रोत।
एलीफेंटा द्वीप	महाराष्ट्र	इस द्वीप पर प्रसिद्ध एलीफेंटा गुफाएँ स्थित हैं।
जवाहर द्वीप	महाराष्ट्र	इसे बूचड़ द्वीप भी कहा जाता है।
सालसेट द्वीप	महाराष्ट्र	थाणे शहर का घर।
चोराओ द्वीप	गोवा	सलिम अली बर्ड सेंचुरी का स्थान।
विलिंगडन द्वीप	केरल	वेम्बनाड झील में स्थित।
लक्षद्वीप द्वीप समूह	अरब सागर	36 छोटे द्वीपों से बना प्रवाल एटोल द्वीप समूह।

बंगाल की खाड़ी के प्रमुख द्वीप

द्वीप का नाम	स्थान	अन्य विशेषताएँ
न्यू मूर द्वीप	बंगाल की खाड़ी	1981 से भारत और बांगलादेश के बीच विवादित।
कलाश द्वीप	बंगाल की खाड़ी	सुंदरबन नेशनल पार्क के भीतर स्थित प्रसिद्ध द्वीप।
गंगा सागर द्वीप	पश्चिम बंगाल	हुगली नदी के मुहाने पर स्थित; सागर द्वीप के नाम से भी जाना जाता है।
अब्दुल कलाम द्वीप	ओडिशा	भारत का मिसाइल लॉन्चिंग केंद्र; पहले इसे व्हीलर द्वीप कहा जाता था। पास में दो छोटे द्वीप हैं: चांदीपुर और बालासोर।
श्रीहरिकोटा द्वीप	आंध्र प्रदेश	सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र का स्थान।
पम्बन द्वीप	तमिलनाडु	मन्नार की खाड़ी में स्थित।
बैरन द्वीप	पूर्वी अंडमान	भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी। अंतिम विस्फोट 5 नवंबर, 2020 को हुआ था।
अंडमान और निकोबार द्वीप	बंगाल की खाड़ी	भारत का सबसे बड़ा द्वीप समूह।
शहीद द्वीप	अंडमान और निकोबार	पहले इसे नील द्वीप कहा जाता था।
सुभाष चंद्र बोस द्वीप	अंडमान और निकोबार	पहले इसे रॉस द्वीप कहा जाता था।
स्वराज द्वीप	अंडमान और निकोबार	पहले इसे हैवलॉक द्वीप कहा जाता था।

नदी द्वीप

द्वीप का नाम	नदी	स्थान / राज्य	महत्वपूर्ण तथ्य
माजुली द्वीप	ब्रह्मपुत्र	असम	दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप; 2017 में भारत का पहला नदी द्वीप जिला घोषित किया गया
उमानंद द्वीप	ब्रह्मपुत्र	असम	गोल्डन लंगूर के लिए प्रसिद्ध
श्रीरंगपट्टनम द्वीप	कावेरी	तमिलनाडु	तमिलनाडु में एक द्वीप पर स्थित
मंधाता द्वीप	नर्मदा	खरगोन/खांडेवा, मध्य प्रदेश	ऐतिहासिक/भौगोलिक महत्व

भारत की नदियाँ एवं जल संसाधन

भारत की महत्वपूर्ण नदियाँ

नदी	विवरण
सिन्धु नदी	➢ **उद्गम:** तिब्बत (चीन) में मानसरोवर झील के निकट कैलाश पर्वत के बोखरचू ग्लेशियर से। ➢ **प्रमुख सहायक नदियाँ:** झेलम नदी, चिनाब नदी, रावी नदी, ब्यास नदी, सतलुज नदी आदि। ➢ **अपवाह:** लद्दाख (लद्दाख संघ शासित प्रदेश) के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है और पाकिस्तान में बहकर अरब सागर में मिलती है। ➢ **1960 के सिंधु जल समझौते के अनुसार** पूर्वी नदियाँ (सतलुज, रावी और चिनाब) भारत को दी गई। ➢ **उत्तर से दक्षिण अनुक्रम:** सिंधु, चिनाब, रावी, ब्यास, सतलुज।

Toppers Notes
Unleash the topper in you

गंगा	➢ **उद्गम**: उत्तराखंड के गंगोत्री ग्लेशियर में गौमुख के पास। ➢ **कुल लंबाई**: 2,525 किमी (भारत की सबसे लंबी नदी)। ➢ **मुहाना**: सुंदरबन डेल्टा के माध्यम से बंगाल की खाड़ी में गिरती है। ➢ **प्रमुख सहायक नदियाँ**: यमुना, सोन, कोसी, घाघरा आदि। ➢ **विभाजक**: भागीरथी-हुगली (फरक्का पर बनी)। ➢ **देवप्रयाग में** भागीरथी के अलकनंदा से मिलने पर ये संयुक्त रूप से गंगा कहलाती है।
यमुना	➢ **उद्गम**: उत्तराखंड में यमुनोत्री ग्लेशियर। ➢ **भूमिका**: गंगा की पश्चिमी और सबसे लंबी सहायक नदी, प्रयाग (इलाहाबाद) में गंगा से मिलती है। ➢ **दाहिनी किनारे की सहायक नदियाँ**: चंबल, सिंध, बेतवा (480 किमी), केन। ➢ **बाएं किनारे की सहायक नदियाँ**: हिंडन, रिहंद, सेंगर, वरुण, टोंस (सबसे लंबी सहायक नदी, इसकी सहायक नदियाँ- पाब्बर, आसन)।
सोन	➢ **उद्गम**: मध्य प्रदेश के अमरकंटक पठार से। ➢ **विशेष**: गंगा की दक्षिणी किनारे की बड़ी सहायक नदी।
चंबल	➢ **उद्गम**: मध्य प्रदेश के महू से। ➢ यमुना में मिल जाती है। ➢ **विशेष**: यह गड्ढों और बीहड़ भू-स्थलाकृति के लिए प्रसिद्ध है। ➢ **सहायक नदियाँ**: बानास, काली सिंध, पार्वती। ➢ **सीमा**: मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमा बनाती है।
कोसी	➢ **प्रकार**: पूर्ववर्ती नदी। ➢ **उद्गम**: नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र से उद्गमित अरुण नदी अन्य नदियों के साथ मिलकर सप्तकोशी का निर्माण करती है। ➢ **उपनाम**: बाढ़ के कारण "बिहार का शोक"। ➢ **मैदान की ऊँचाई**: समुद्रतल से 30 मीटर।
नर्मदा	➢ **उद्गम**: अमरकंटक पठार। ➢ **अपवाह**: सतपुड़ा और विन्ध्याचल श्रृंखलाओं के बीच भ्रंश घाटी से होकर बहती है; यह उत्तर और दक्षिण भारत की सीमा बनाती है। ➢ **विशेष**: धुआंधार जलप्रपात; एश्चुएरि का निर्माण। ➢ **सहायक नदियाँ**: तवा, शेर, शक्कर।
ताप्ती	➢ **उद्गम**: मध्य प्रदेश के मुलताई, सतपुड़ा रेंज की दोष घाटी से। ➢ **अपवाह**: मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के माध्यम से बहती है। ➢ **विशेष**: यह नर्मदा के समानांतर बहती है; इसका लगभग 80% बेसिन महाराष्ट्र में स्थित है। ➢ **सहायक नदियाँ**: वाघूर, अनेर, गिरना, पूर्णा, पंझरा और बोरी।
ब्रह्मपुत्र	➢ **उद्गम**: चेमायुंगडुंग ग्लेशियर, माउंट कैलाश के पास (उत्तर हिमालय)। ➢ **कुल लंबाई**: लगभग 2,900 किमी (एशिया की सबसे लंबी नदियों में से एक)। ➢ **मुहाना**: गंगा–ब्रह्मपुत्र–मेघना डेल्टा के रूप में बंगाल की खाड़ी में मिलती है। ➢ **प्रमुख सहायक नदियाँ**: सुबनसिरी, मानस, संकोश, दिहांग, लोहित, बूढ़ी दीहिंग आदि। ➢ **विशेष**: इसका उपयोग योग्य जल भंडारण सबसे कम है।

महानदी	➢ **उद्गम**: छत्तीसगढ़ की सिंहावा पहाड़ियों से। ➢ **राज्य**: छत्तीसगढ़, ओडिशा (यहां की सबसे बड़ी नदी)। ➢ **सहायक नदियाँ**: शिवनाथ, हसदेव, मांड, इब, ओंग, तेल, जोंक।
गोदावरी	➢ **उद्गम**: महाराष्ट्र के नाशिक स्थित त्र्यंबकेश्वर की ब्रह्मगिरी पहाड़ियों से। ➢ **सहायक नदियाँ**: प्राणहिता, इन्द्रवती, पेनगंगा, मंजीरा। ➢ **विशेष**: प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी नदी, दक्षिण गंगा के नाम से प्रसिद्ध, देश का दूसरा सबसे बड़ा नदी बेसिन।
कृष्णा	➢ **उद्गम**: महाराष्ट्र के महाबलेश्वर में सह्याद्रि रेंज से। ➢ **सहायक नदियाँ**: भीमा, तुंगभद्रा, कोयना, मुंशी, मालप्रभा, पंचगंगा, दूधगंगा, घाटप्रभा। ➢ **विशेष**: इसका बेसिन प्रायद्वीपीय नदियों में सबसे बड़ा है। ➢ **विशेष**: कृष्ण–गोदावरी जल विवाद कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के बीच है।
कावेरी	➢ **उद्गम**: कर्नाटक के ब्रह्मगिरी हिल्स; तमिलनाडु में इसे पोन्नी के नाम से जाना जाता है; दक्षिण भारत की चौथी सबसे बड़ी नदी। ➢ **राज्य**: कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु (कावेरी जल विवाद कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच है)। ➢ **विशेष**: शिवसमुद्र जलप्रपात (आयतन के अनुसार सबसे बड़ा); कुल लंबाई – 800 किमी। ➢ **सहायक नदियाँ**: काबिनी, भवानी, अमरावती, हेमावती, शिम्शा।
लूनी	➢ **उद्गम**: अरावली रेंज। ➢ **विशेष**: मौसमी नदी; कच्छ के रण में समाप्त होती है ➢ **प्रमुख सहायक नदियाँ:** जोजड़ी, सुखड़ी और जवाई।
झेलम	➢ **उद्गम**: वेरिनाग झरना → वुलर झील के माध्यम से → चेनाब से मिलती है। ➢ वेदों में इसे वितस्ता कहा गया है।
चेनाब	➢ **उद्गम**: चंद्रा + भागा नदियाँ मिलकर तांडी (हिमाचल) में चिनाब नदी का निर्माण करती है → सिंधु की सबसे बड़ी सहायक नदी → सतलुज से मिलती है। ➢ वेदों में इसे अस्किनी कहा गया है।
रावी	➢ **उद्गम**: कुल्लू हिल्स, रोहतांग दर्रे के पास → पीर पंजाल और धौलाधार श्रेणियों के बीच बहती है।
ब्यास	➢ **उद्गम**: रोहतांग पास के पास → सतलुज नदी से मिलती है।
सतलुज	➢ **उद्गम**: राकस झील (तिब्बत) → शिपकी ला पास के माध्यम से पंजाब में प्रवेश करती है → हिमालय से गुजरती है। ➢ **विशेष**: यह एक पूर्ववर्ती नदी है जो हिमालय से गुजरती है।

याद रखने योग्य तथ्य:

➢ **नंदी नदी**: यह दक्षिण भारत के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तिरुत्तानी से बहती है।

➢ **बेड़च नदी**: यह बनास नदी की दक्षिणी सहायक नदी है, जो राजस्थान के उदयपुर की पहाड़ियों से उत्पन्न होती है।

➢ **गलवान नदी**: यह लद्दाख में एक रणनीतिक नदी है जो विवादित अक्षाई चिन (जो चीन द्वारा नियंत्रित है) से बहकर श्योक नदी से मिलती है जो सिंधु नदी की सहायक है।

➢ **पिंडार नदी**: यह अलकनंदा नदी की सहायक नदी है।

भारत की प्रमुख झीलें

झील	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	मुख्य विशेषताएँ
वुलर झील	जम्मू और कश्मीर	भारत की सबसे बड़ी और एशिया की दूसरी सबसे बड़ी ताजे पानी की प्राकृतिक झील; विवर्तनिक गतिविधियों से निर्मित; झेलम नदी इससे होकर बहती है।
कोडाइकनाल झील	तमिलनाडु	कृत्रिम ताजे पानी की झील।
डल झील	जम्मू और कश्मीर	हाउसबोट्स और शिकारे के लिए प्रसिद्ध; "श्रीनगर का गहना" के नाम से जाना जाता है।
पैंगोग त्सो	लद्दाख	एक लवणीय झील जो चीन तक फैली हुई है।
त्सो मोरीरी, त्सो कार	लद्दाख	अधिक ऊँचाई पर स्थित खारे पानी की झीलें।
चिल्का झील	ओडिशा (महानदी डेल्टा)	एशिया की सबसे बड़ी खारे पानी की झील; फ्लेमिंगो के लिए प्रसिद्ध; भारत का पहला रामसर स्थल।
कांवर झील	बिहार	एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की गोखूर झील।
चंद्र ताल झील	हिमाचल प्रदेश	"चाँद की झील"; पराशर झील भी हिमाचल प्रदेश में स्थित है।
सस्थमकोट्टा झील	केरल	"झीलों की रानी"; केरल की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील।
लोकटक झील	मणिपुर	उत्तर-पूर्व भारत की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील; फुमदी के लिए प्रसिद्ध; दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान केईबुल लाम जाओ यहीं स्थित।
पूकोडे झील	केरल	भारत की सबसे छोटी झील।
भोजताल झील	मध्य प्रदेश	एशिया की सबसे बड़ी कृत्रिम झील।
गोविंद बल्लभ पंत सागर (रिहंद बाँध)	उत्तर प्रदेश	भारत की सबसे बड़ी कृत्रिम झील।
चोलामू झील	सिक्किम	भारत की सबसे ऊँचाई पर स्थित झील।
पुलिकट झील	आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु	भारत की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील; दो राज्यों द्वारा साझा की जाती है।
वेम्बनाद झील (लगून)	केरल	भारत की सबसे लंबी झील; केरल की सबसे बड़ी झील।
सांभर झील	राजस्थान	भारत की सबसे बड़ी आंतरिक लवणीय झील।
कोल्लेरू झील	आंध्र प्रदेश	कृष्णा और गोदावरी नदियों के बीच स्थित मौसमी ताजे पानी की झील।
नैनीताल झील	उत्तराखंड	अर्धचंद्राकार प्राकृतिक ताजे पानी की झील।
नौकुचिया ताल	नैनीताल, उत्तराखंड	अपने नौ कोनों के लिए प्रसिद्ध
भीमताल झील	उत्तराखंड	नैनीताल झील से बड़ी।
रेणुका झील	हिमाचल प्रदेश	देवी रेणुका के नाम पर।
त्सोंगमो (चांगू) झील	सिक्किम	नाथूला दर्रे के पास स्थित ग्लेशियर झील।
रुद्रसागर झील	त्रिपुरा	रामसर कन्वेंशन के तहत वेटलैंड।

रूपकुंड झील	उत्तराखंड	ग्लेशियल झील; "रहस्यमय झील" के नाम से प्रसिद्ध, क्योंकि इसके आसपास सैकड़ों मानव कंकाल पाए गए हैं।
जयसमंद झील	राजस्थान	एशिया की दूसरी सबसे बड़ी कृत्रिम ताजे पानी की झील; राजस्थान की एक और प्रमुख झील पिछोला झील है।
गुरुडोंगमार झील	सिक्किम	पर्वतीय झील; बौद्ध धर्म में एक पवित्र तीर्थ स्थल।
कीथम झील	उत्तर प्रदेश	इसे सूर सरोवर भी कहा जाता है; रामसर साइट के रूप में नामांकित।
लोनार झील (क्रेटर झील)	महाराष्ट्र	भारत की एकमात्र झील जो उल्कापिंड के प्रभाव से बनी है; यह दुनिया की सबसे बड़ी क्रेटर झील है।
हुसैन सागर झील	तेलंगाना	मुसी नदी पर बनी कृत्रिम झील; हैदराबाद और सिकंदराबाद जुड़वां शहरों को जोड़ती है।
भोपाल झील	मध्य प्रदेश	अपने समय की सबसे बड़ी कृत्रिम झीलों में से एक; 11वीं सदी में निर्मित।

भारत में जलप्रपात

जलप्रपात	**स्थान**	**विवरण**
नोहकलिकाई जलप्रपात	मेघालय	भारत का सबसे ऊँचा ऊर्ध्वाधर गिरावट वाला जलप्रपात।
दूधसागर जलप्रपात	गोवा	मंडोवी नदी पर स्थित चार-स्तरीय जलप्रपात।
जोग जलप्रपात	कर्नाटक	शरावती नदी पर स्थित; इसे गरसोप्पा जलप्रपात भी कहा जाता है।
धुआंधार जलप्रपात	मध्यप्रदेश	संगमरमर की चट्टानों से गिरने वाला विश्व प्रसिद्ध जलप्रपात; नर्मदा नदी की संकुचित धारा से गिरता है।
रजरप्पा जलप्रपात	झारखंड	दामोदर नदी के संगम पर बना; आकर्षक चट्टानी संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध।
हुंडरु जलप्रपात	झारखंड	रांची जिले में स्थित; विभिन्न चट्टान संरचनाओं से घिरा हुआ।
केम्प्टी जलप्रपात	उत्तराखंड	टिहरी गढ़वाल जिले में स्थित।
शिवसमुद्रम जलप्रपात	कर्नाटक	कावेरी नदी के किनारे स्थित; भारत का दूसरा सबसे बड़ा जलप्रपात।
कपिलधारा जलप्रपात	मध्यप्रदेश	कपिला और एरंडी नदियों के नर्मदा नदी में मिलने से निर्मित।
कुंचिकल जलप्रपात	कर्नाटक	भारत का सबसे ऊँचा जलप्रपात; वराही नदी पर स्थित।
दूदूमा जलप्रपात	ओडिशा	मचकुंड नदी पर स्थित।
तीरथगढ़ जलप्रपात	छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ़ का सबसे ऊँचा जलप्रपात, कांगेर नदी पर स्थित।
चित्रकूट जलप्रपात	छत्तीसगढ़	भारत के "नियाग्रा फॉल्स" के रूप में प्रसिद्ध; इंद्रावती नदी पर स्थित।
गाथा या गाथा सेहा जलप्रपात	मध्य प्रदेश	केन नदी द्वारा पोषित।
मागोड जलप्रपात	कर्नाटक	एक जलप्रपातों का समूह, जहाँ बेतदी नदी गिरती है।
थलैयार जलप्रपात	तमिलनाडु	तमिलनाडु का सबसे ऊँचा जलप्रपात; इसे रैट टेल फॉल्स भी कहा जाता है।
अथिरापिल्ली जलप्रपात	केरल	केरल का सबसे बड़ा जलप्रपात।

ToppersNotes Unleash the topper in you

बांध और जलाशय

- बांध अपवाहित जल के रास्ते में बनाई गई एक रुकावट है जो पानी के बहाव को रोकती है, उसकी दिशा बदलती है या उसे धीमा करती है; ऐसा करने से अक्सर एक जलाशय, झील या जल-संग्रह का निर्माण होता है।

डेम	राज्य	नदी	मुख्य विशेषताएँ
नागार्जुन सागर बाँध	आंध्र प्रदेश / तेलंगाना	कृष्णा	एशिया का सबसे ऊँचा पत्थर-चिनाई वाला बांध।
श्रीशैलम बाँध	आंध्र प्रदेश / तेलंगाना	कृष्णा	गहरे गॉर्ज में जलविद्युत उत्पादन के लिए निर्मित।
सरदार सरोवर बाँध	गुजरात	नर्मदा	नर्मदा घाटी परियोजना का हिस्सा; बहुउद्देशीय बांध।
उकाई बाँध	गुजरात	तापी	गुजरात का दूसरा सबसे बड़ा जल परियोजना।
भाखड़ा बाँध	हिमाचल प्रदेश / पंजाब	सतलुज	एशिया का सबसे ऊँचा गुरुत्वाकर्षण बांध; भाखड़ा–नांगल परियोजना का हिस्सा।
बगलीहार, सलाल, दुलहस्ती बाँध	जम्मू & कश्मीर	चिनाब	जलविद्युत उत्पादन के लिए निर्मित।
अलमटी बाँध	कर्नाटक	कृष्णा	कर्नाटक का प्रमुख बांध; महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के साथ विवादित; लाल बहादुर शास्त्री बांध के नाम से भी जाना जाता है।
तुंगभद्रा बाँध	कर्नाटक	तुंगभद्रा	सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन के लिए उपयोग किया जाता है।
कृष्णराजसागर बाँध	कर्नाटक	कावेरी	मैसूर क्षेत्र की जीवनरेखा।
इडुक्की बाँध	केरल	पेरियार	केरल का सबसे बड़ा जलविद्युत डेम।
मुल्लापेरियार बाँध	केरल / तमिलनाडु	पेरियार	केरल और तमिलनाडु के बीच विवादित बांध।
बाणासुर सागर बाँध	केरल	काबिनी की सहायक नदी करमनाथोडु नदी पर	भारत का सबसे बड़ा मिट्टी का बांध।
इंदिरा सागर बाँध	मध्य प्रदेश	नर्मदा	भारत का सबसे बड़ा जलाशय (क्षेत्रफल के हिसाब से)।
गांधी सागर बाँध	मध्य प्रदेश / राजस्थान	चंबल	चंबल घाटी परियोजना का पहला बांध।
कोयना बाँध	महाराष्ट्र	कोयना	महाराष्ट्र का सबसे बड़ा जलविद्युत डेम।
हीराकुंड बाँध	ओडिशा	महानदी	एशिया का सबसे लंबा मिट्टी का बांध।
रंजीत सागर बाँध	पंजाब	रावी	सिंचाई और बिजली उत्पादन के लिए उपयोग किया जाता है।
राणा प्रताप सागर बाँध	राजस्थान	चंबल	चंबल घाटी परियोजना का हिस्सा।

Unleash the topper in you

बिसलपुर बाँध	राजस्थान	बानास	जयपुर के लिए पानी का मुख्य स्रोत।
मेट्टूर बाँध	तमिलनाडु	कावेरी	तमिलनाडु का सबसे पुराना और सबसे महत्वपूर्ण बांध।
रिहंद बाँध	उत्तर प्रदेश	रिहंद	भारत का सबसे बड़ा बहुउद्देशीय बांध।
टिहरी बाँध	उत्तराखंड	भागीरथी और भिलांगना	भारत का सबसे ऊँचा बांध (~260 मीटर)।
फरक्का बैराज	पश्चिम बंगाल	गंगा	कोलकाता बंदरगाह में पानी की आपूर्ति बनाए रखने के लिए।
मैथोन बाँध	पश्चिम बंगाल / झारखंड	बराकर	दामोदर घाटी परियोजना का हिस्सा।
पंचेत बाँध	पश्चिम बंगाल / झारखंड	दामोदर	दामोदर घाटी निगम परियोजना का घटक।
तिलैया बाँध	झारखंड	बराकर	दामोदर घाटी निगम की पहली परियोजना।
कल्लनई (ग्रांड एनीकट) बाँध	तमिलनाडु	कावेरी	भारत का सबसे पुराना बांध, जिसे ग्रांड एनीकट भी कहा जाता है।

भारत में परिवहन

सड़क परिवहन

- **सबसे अधिक सड़कों वाला राज्य:** महाराष्ट्र
- **सबसे कम सड़कों वाला राज्य:** सिक्किम
- **सबसे अधिक पक्की सड़कों वाला राज्य:** महाराष्ट्र
- **सबसे अधिक कच्ची सड़कों वाला राज्य:** ओडिशा
- **सबसे अधिक सड़क घनत्व वाला राज्य:** गोवा
- **सबसे कम सड़क घनत्व वाला राज्य:** जम्मू और कश्मीर
- **भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग:** डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग, जम्मू और कश्मीर (9.2 km)
- **भारत का सबसे लंबा सड़क पुल:** भूपेन हजारिका पुल, असम (9.15 km)
- **भारत का दूसरा सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग:** NH-27, पोरबंदर (गुजरात) से सिलचर (असम) तक; 3,507 km
- **सबसे अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों वाला राज्य:** महाराष्ट्र (102)
- **सबसे कम राष्ट्रीय राजमार्गों वाला राज्य:** मेघालय (5)
- **भारत का सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग:** NH-327B, पश्चिम बंगाल (1.2 km)
- **स्वर्णिम चतुर्भुज जिन शहरों के मध्य है:** दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता

राष्ट्रीय राजमार्ग

राष्ट्रीय राजमार्ग	किन्हें जोड़ता है	मुख्य विशेषताएँ
NH-44	श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) – कन्याकुमारी (तमिलनाडु)	भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग; लगभग 3,745 किमी लंबा; 12 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों से होकर गुजरता है (जम्मू और कश्मीर से कन्याकुमारी तक)। 7 एनएच को मिलाकर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 (एनएच 44) बनाया गया।
NH-27	सिलचर (असम) – पोरबंदर (गुजरात)	भारत का दूसरा सबसे लंबा राजमार्ग; पूर्व–पश्चिम गलियारा।

NH-19 (पूर्व में NH-2)	दिल्ली – कोलकाता (झांसी, प्रयागराज, वाराणसी, धनबाद के माध्यम से)	स्वर्णिम चतुर्भुज का हिस्सा; गंगा के समानांतर चलता है।
NH-48	दिल्ली – मुंबई – बेंगलुरु – चेन्नई	स्वर्णिम चतुर्भुज का प्रमुख हिस्सा।
NH-16 (पूर्व में NH-5)	कोलकाता – चेन्नई (ओडिशा और आंध्र तटों के माध्यम से)	पूर्वी तटीय राजमार्ग; आंध्र प्रदेश और ओडिशा के लिए मुख्य मार्ग।
NH-8 (अब NH-48 का हिस्सा)	दिल्ली – मुंबई	सबसे व्यस्त औद्योगिक गलियारा।
NH-1 (अब NH-44 का हिस्सा)	दिल्ली – अमृतसर (वाघा बॉर्डर)	उत्तर भारत का प्रमुख मार्ग; ऐतिहासिक महत्व / शेर शाह सूरी मार्ग।

स्मरणीय तथ्य:

- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI): सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, जिसकी स्थापना 1995 में हुई थी, राष्ट्रीय राजमार्गों का रखरखाव करता है।
- वर्तमान में ग्रांड ट्रंक रोड भारत में अमृतसर से कोलकाता तक फैला हुआ है।
- भारत में सड़कों को 6 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

रेल परिवहन:

- भारत में पहली ट्रेन 16 अप्रैल, 1853 को मुंबई और ठाणे के बीच चली थी। इस ट्रेन का नाम "ब्लैक ब्यूटी" रखा गया था।
- भारत में रेलवे के संस्थापक: लॉर्ड डलहौज़ी को भारत में रेलवे का जनक माना जाता है।

भारत में मेट्रो सेवाएँ:

- भारत की पहली मेट्रो का उद्घाटन कोलकाता (कलकत्ता मेट्रो) में किया गया था।
- वर्ष 2011 में, बेंगलुरु में 'नम्मा मेट्रो' की शुरुआत जापान के सहयोग से की गई थी।

रेलवे से संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्य:

- **भारत का सबसे लंबा रेलवे मार्ग**: विवेक एक्सप्रेस (कन्याकुमारी से डिब्रूगढ़ तक)।
- **भारत की सबसे तेज़ गति से चलने वाला रेलवे**: वंदे भारत एक्सप्रेस (वाराणसी से दिल्ली तक)।
- **भारत का सबसे लंबा रेलवे प्लेटफॉर्म**: हुबली / सिद्धारूढ़ स्वामी रेलवे स्टेशन, कर्नाटक (2020 से)।
- **भारत का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन**: हावड़ा, पश्चिम बंगाल।
- **भारत का पहला सौर-ऊर्जा से चलने वाला रेलवे स्टेशन**: गुवाहाटी (2018)।
- **भारत और बांगलादेश के बीच रेलवे सेवा**: मैत्री एक्सप्रेस और बंधन एक्सप्रेस।
- **भारत और पाकिस्तान के बीच रेलवे सेवा**: थार एक्सप्रेस और समझौता एक्सप्रेस।
- **भारत में पर्वतीय रेलवे सेवाएँ**: कालका–शिमला (हिमाचल प्रदेश), दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) और नीलगिरी (तमिलनाडु)।
- **भारत का पहला निजी रेलवे स्टेशन**: रानी कमलापति स्टेशन, हबिबगंज, मध्य प्रदेश।
- **भारत में प्रस्तावित बुलेट ट्रेन सेवा**: अहमदाबाद से मुंबई।

- **कोंकण रेलवे सेवा (1990)**: रोहा (महाराष्ट्र) और मंगलुरु (कर्नाटक) के बीच संचालित; 760 किमी की दूरी।
- **यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल भारतीय रेलवे**:
  - ✓ दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे
  - ✓ नीलगिरी माउंटेन रेलवे
  - ✓ कालका–शिमला रेलवे
- **कोंकण रेलवे**: 1990 में शुरू हुआ; महाराष्ट्र (रोहा), गोवा और कर्नाटक (मंगलुरु) में सेवाएं; 760 किमी लंबा।

जानने योग्य तथ्य:

- भारतीय रेलवे ने अपने हेल्पलाइन नंबरों को एक ही नंबर 139 में एकीकृत कर दिया है।

रेलवे जोन

रेलवे क्षेत्र	मुख्यालय	राज्य/क्षेत्र
उत्तरी रेलवे	दिल्ली	दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर
उत्तर मध्य रेलवे	प्रयागराज (इलाहाबाद)	उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान
उत्तर पूर्व रेलवे	गोरखपुर	उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल का हिस्सा
उत्तर पूर्वी सीमांत रेलवे	मलिगांव, गुवाहाटी	असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, मेघालय का हिस्सा
उत्तर पश्चिम रेलवे	जयपुर	राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश का हिस्सा
पूर्वी रेलवे	कोलकाता	पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार
पूर्व मध्य रेलवे	हाजीपुर	बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश का हिस्सा
पूर्वी तटीय रेलवे	भुवनेश्वर	ओडिशा, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़
दक्षिणी रेलवे	चेन्नई	तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्से
दक्षिण मध्य रेलवे	सिकंदराबाद	तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक के कुछ हिस्से
दक्षिण तटीय रेलवे	विशाखापत्तनम	तटीय आंध्र प्रदेश (विशाखापत्तनम, विजयवाड़ा डिवीजन)
दक्षिणी पूर्व रेलवे	गार्डन रीच, कोलकाता	पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा
दक्षिणी पूर्व केंद्रीय रेलवे	बिलासपुर	छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से
दक्षिण पश्चिम रेलवे	हुबली	कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र के कुछ हिस्से
पश्चिम रेलवे	मुंबई	महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान के कुछ हिस्से
पश्चिम मध्य रेलवे	जबलपुर	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के कुछ हिस्से
केंद्रीय रेलवे	मुंबई	महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्से
कोंकण रेलवे	नवी मुंबई	महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक का कोंकण क्षेत्र (1998 में शुरू हुआ)
मेट्रो रेलवे (कोलकाता)	कोलकाता	पश्चिम बंगाल (कोलकाता महानगर क्षेत्र; 2010 में घोषित)

रेलवे सुरंग

सुरंग का नाम	ट्रैक की लंबाई (मीटर)	स्थान	रेलवे डिवीजन
पीर पंजाल रेलवे सुरंग	11,215 मीटर	जम्मू और कश्मीर	उत्तरी रेलवे
अटल सुरंग (रोहतांग मार्ग)	9,020 मीटर	हिमाचल प्रदेश	उत्तरी रेलवे

संगलदान सुरंग	8,000 मीटर	जम्मू और कश्मीर	उत्तरी रेलवे
करबुडे सुरंग (T-35)	6,505 मीटर	महाराष्ट्र	कोंकण रेलवे
नाथू वाड़ी सुरंग (T-6)	4,390 मीटर	महाराष्ट्र	कोंकण रेलवे
टिक/टाईक सुरंग (T-39)	4,078 मीटर	महाराष्ट्र	कोंकण रेलवे
बार्वेवाड़ी सुरंग (T-49)	4,000 मीटर	महाराष्ट्र	कोंकण रेलवे
सावर्डे सुरंग (T-17)	3,429 मीटर	महाराष्ट्र	कोंकण रेलवे
बारसेम सुरंग (T-73)	3,343 मीटर	गोवा	कोंकण रेलवे
कारवार सुरंग (T-80)	2,950 मीटर	कर्नाटक	कोंकण रेलवे

जलमार्ग

- **भारत के अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI)** की स्थापना 1986 में अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण भारत अधिनियम, 1985 के तहत एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई थी जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास, रखरखाव और नियमन करना है।
- **राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016** के तहत 111 अंतर्देशीय जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है।

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय जलमार्ग:

राष्ट्रीय जलमार्ग (NW) संख्या	**जलमार्ग का नाम**	**लंबाई (किमी)**	**स्थान (राज्य)**
NW-1	गंगा–भागीरथी–हुगली नदी प्रणाली	1,620	उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल (इलाहाबाद-हल्दिया खंड)
NW-2	ब्रह्मपुत्र नदी	891	असम
NW-3	पश्चिमी तटीय नहर, चंपकारा और उद्योगमंडल नहरें	205	केरल
NW-4	कृष्णा नदी	82	आंध्र प्रदेश
NW-100	तापी नदी	436	गुजरात और महाराष्ट्र
NW-96	सुबणरिखा नदी	314	ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल
NW-97	सुंदरबन जलमार्ग	172	पश्चिम बंगाल
NW-99	तमिरापरानी नदी	62	तमिलनाडु

भारत में बंदरगाहों के प्रमुख प्रकार

प्रमुख बंदरगाह:

- सीधे केंद्र सरकार द्वारा प्रशासित।
- 'प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण अधिनियम, 2021' के तहत संचालित।
- प्रमुख बंदरगाहों की संख्या: 13 ;उदाहरण: मुंबई, चेन्नई, विशाखापत्तनम, कोलकाता, कांडला आदि।

बंदरगाह	**राज्य**	**मुख्य विशेषताएँ**
कांडला (दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट)	गुजरात (कच्छ की खाड़ी)	संरक्षित प्राकृतिक ज्वारीय बंदरगाह; राज्य द्वारा संचालित सबसे बड़ा मालवाहक बंदरगाह; पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भारत की जरूरतों को पूरा करने तथा साथ ही मुंबई बंदरगाह पर दबाव को कम करने के लिए विकसित।